Pt Deen Dayal Upadhyaya Centre For Skill And Vocational Education

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK

(A State University established under Haryana Act No. XXV of 1975)

'A+' Grade University Accredited by NAAC

प्रेस विज्ञप्ति (Press Note)

दिनांक**:** 10 नवम्बर 2025 स्थान: महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

एम.डी. यूनिवर्सिटी में 'फ्यूचर स्किल्स प्राइम' पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के पं. दीनदयाल उपाध्याय सेंटर फॉर स्किल एंड वोकेशनल एजुकेशन (PDDUCSVE) द्वारा नैसकॉम (NASSCOM**)** के सहयोग से *"फ्यूचर स्किल्स प्राइम ओरिएंटेशन-कम-वर्कशॉप"* विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन 10 एवं 11 नवम्बर 2025 को किया गया।

"फ्यूचर स्किल्स प्राइम ओरिएंटेशन-कम-वर्कशॉप" का उद्देश्य विद्यार्थियों में सॉफ्ट स्किल्स, डिजिटल दक्षता और करियर तत्परता विकसित कर उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप *फ्यूचर-रेडी* बनाना है।

कार्यशाला का आयोजन यूआईईटी **(UIET)** के सिविल एवं इलेक्ट्रिकल ब्लॉक स्थित सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम का संचालन नैसकॉम टीम के सदस्य श्री संकल्प द्वारा किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों को संवाद कौशल, आत्मविश्वास एवं व्यावसायिक तत्परता जैसे विषयों पर प्रेरक सत्र प्रदान किए।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में प्रो. युद्धवीर सिंह, निदेशक, पं. दीनदयाल उपाध्याय सेंटर फॉर स्किल एंड वोकेशनल एजुकेशन ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. विपिन, डॉ. सुरेंदर एवं श्री सुमित मोर (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग), डॉ. दीपक (सिविल इंजीनियरिंग विभाग), डॉ. धीरज खुराना (कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग) सहित अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला में बी.टेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग), बी.टेक (सिविल इंजीनियरिंग), बीसीए तथा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से संवाद कौशल, टीमवर्क, आत्म-प्रस्तुतीकरण एवं डिजिटल करियर रेडीनेस के महत्व को समझा।

अपने संबोधन में प्रो. युद्धवीर सिंह ने कहा कि कौशल विकास और उद्योग-शिक्षा सहयोग ही भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को सशक्त बनाने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसी कार्यशालाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। इस आयोजन ने यह स्पष्ट किया कि कौशल आधारित शिक्षा और उद्योग-अकादमिक सहभागिता ही भारत के युवा वर्ग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रो. युद्धवीर सिंह
निदेशक,
पं. दीनदयाल उपाध्याय सेंटर फॉर स्किल एंड वोकेशनल एजुकेशन

ELECTRONICS &
INFORMATION TECHNOLOGY
nasscom
futureskills
prime
A MeitY - nasscom Digital Skilling Initiative
MAHARSHI DAYAYAND
UNIVERSITY, ROHTAK
10TH NOVEMBER 2025
Catalyzing
Industry Growth
Transforming Business
Transforming India

futureskills
prime